पंचदश

बिहार विधान-सभा

पंचम सत्र

अल्प-सूचित प्रश्न

वर्ग-3

शुक्रवार, तिथि 26 फाल्गुन, 1933 (श०)
16 मार्च, 2012 (ई०)

प्रश्नों की कुल संख्या—02

(1) स्वास्थ्य विभाग	..	..	01
(2) ऊर्जा विभाग	..	..	01
		कुल योग ..	02

आई बैंकों को लोकोपयोगी बनाना

43. श्री विनोद नारायण झा--क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि--

(1) क्या यह बात सही है कि राज्य में बिहार ऑर्गन ट्रांस्प्लांटेशन एक्ट 1994 लागू है जिसके तहत पी०एम०सी०एच० पटना और नेत्र ज्योति सेवा मन्दिरम वीरायतन, राजगीर में दो आई बैंक स्थापित है और आई०जी०आई०एम०एस० पटना में तीसरे आई बैंक की स्थापना प्रस्तावित है;

(2) क्या यह बात सही है कि पी०एम०सी०एच० पटना एवं राजगीर के इन आई बैंकों में पिछले दस वर्षों में एक भी अंधत्व के शिकार व्यक्ति को नेत्र उपलब्ध नहीं कराया गया है;

(3) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार राज्य के दोनों आई बैंकों को लोकोपयोगी बनाने का विचार रखती है, यदि हां, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

बिजली बिल में वृद्धि का औचित्य

44. श्री अख्तरुल ईमान--दिनांक 29 जनवरी, 2012 को समाचार-पत्र में प्रकाशित शीर्षक "अप्रैल से महंगी बिजली" के आलोक में क्या मंत्री, ऊर्जा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि बिहार राज्य विद्युत् बोर्ड ने अप्रैल, 2012 से बिजली बिल में डेढ़ गुणा बढ़ोत्तरी करने का निर्णय लिया है, जिसके तहत ग्रामीण क्षेत्र में प्रति कनेक्शन जहां 150 रु० प्रतिमाह बिल देना पड़ता है वहीं अब 225 रु० मासिक तथा शहरी क्षेत्र घरेलू में 1-100 यूनिट तक 2.50 रु० प्रति यूनिट के बजाए 4.12 रु० प्रति यूनिट बिल का भुगतान करना पड़ेगा, यदि हां, तो प्रस्तावित बढ़ोत्तरी का क्या औचित्य है ?

पटना :
दिनांक 16 मार्च, 2012 (ई०) ।

लक्ष्मी कान्त झा,
प्रभारी सचिव,
बिहार विधान-सभा ।

बि०स०मु० (एल०ए०), 150--डी०टी०पी०--450--